10303

Reg. No. | | | | | | | | |

III Semester B.A/B.SW/B.F.A/.B Music. Degree Examination, March-2021

HINDI

Natak Sahityakaron Ka parichay Aur Sankshepan

(CBCS Repeaters Semester Scheme 2016-17 Onwards)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1. किस वंश की पीढ़ियाँ युद्ध करते–करते खत्म हो गई?

2. राजा से महाऋषि कौन बने?

3. उद्यसिंह की माँ कौन थी?

4. मेवाड़ को नागिन की भाँति डसने की इच्छा कौन रखती थी?

5. विक्रमादित्य की शरण में कौन आया था?

6. सात सौ राजपूतानियों के साथ आग में कौन जल जाती है?

7. 'नागौर का फाटक' कहाँ पर स्थित है?

8. मेवाड़ की भूमि किसके पुरखो के खून से सिंची हुई है?

9. कौन जिन्दगी और मौत दोनों को मुट्ठी में लिए घुमता था?

10. कराला काली का सम्पूर्ण तेज किसके रुप में धधक उठा था?

BMSCW LIBRARY

P.T.O.

II निम्नलिखित में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (2×7=14)

1. वास्तविक अर्थो में धर्म की लड़ाई किसी युग में नहीं हुई। हमेशा एक स्वार्थ दुसरें स्वार्थ से लड़ा है।

2. तू पूरी जहर की पुडिया है। सूत के दो धागे भेज कर मुसलमान से मुसलमान को लड़ा देना चाहती है। हुमायू तो क्या फरिश्:ते भी आ जाय तो अब मेवाड़ को बचा नहीं सकते।

3. टुटी हुई दीवार के तंग रास्ते पर यह कयामत की तस्वीर की तरह डट कर खड़ी है। जो आगे बढ़ता है उसी को जहन्नुम का रास्ता दिखा देती है।

BMSCW LIBRARY

III. 1. 'रक्षा बन्धन' नाटक–हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतीक है! प्रस्तुत नाटक के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए। (1×16=16)

अथवा

2. 'रक्षा–बन्धन' नाटक के आधार पर मेवाड़ की गौरव–गाथा पर प्रकाश डालिए।

IV निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए। (2×5=10)

1. राजपूत।

2. जवाहरबाई।

3. बहादुरशाह।

V. निम्नलिखित में से किसी एक साहित्यकार का परिचय दीजिए। (1×10=10)

1. हरिवंशराय बच्चन।

2. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना।

VI. उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई भाग में संक्षिप्तीकरण कीजिए। (1×10=10)

प्रत्येक धर्म के मूलभुत सिद्धांत एक ही है। परमेश्वर में लगन, सांसारिकता के मोह से मुक्ति, सब प्राणीयों के प्रति स्नेह भाव सत्य परायणता, दया दान और उपकार के प्रति श्रेष्ठ और स्वार्थ त्याग जैसी उच्च विचारधाराएँ सभी धर्मो में मिलती है। सभी धर्मो के अनुसार परमेश्वर जगतपिता है, उसने सारी, सृष्टि की रचना की है। और वही संसार के सभी प्राणियों का पालन करता है। संसार के प्राणियों विशेषता मनुष्य–जाति का धर्म है कि उस परमेश्वर को न भूले। प्राय: जगत में माया–मोह में पड़कर मनुष्य लोभ–मोह–अभिमान का शिकार बन जाता है। वह प्राणी जगत से स्नेह नही करता। अपने स्वार्थ के लिए दुसरों का गला घोटना उसके लिए साधारण बात हो जाती। वह भूल जाता है कि सभी लोग परमेश्वर के बंदे है। परमेश्वर के इस रुप को भूलकर मनुष्य अन्याय, अत्याचार और असत्य में लग जाता है। मनुष्य को इस निकृष्ट मनोवृत्ति से बचाने के लिए ही विश्व में समस्त धर्मो की स्थापना हुई है।

BMSCW LIBRARY

BMSCW LIBRARY